Lucas 24, 13-35

```
- Jeruzalem (v. 13)
|
|   - Gesprek (v. 14)                    KENNEN
|    |                                      |
|    |    - Jezus verschijnt (v. 15)        |
|    |    |                                 |
|    |    |    - Leerlingen: hun ogen worden verhinderd Hem te zien (v. 16)
|    |    |    |                            |                                   ZIEN ZONDER HERKENNEN
|    |    |    |    . Het is al de derde dag (v. 17-21)     vreemdeling                    |
|    |    |    |     . Hem zagen ze niet (v. 22-24)              |                         |
|    |    |    |                            |                    |                         |
|    |    |    |         - Jezus: O, onverstandigen, traag van hart in het geloof (v. 25)  |
|    |    |    |                            |                    |                         |
|    |    |    |                . Schriftuitleg (v. 25-27)       |                         |
|    |    |    |                    Emmaüs      |              gast                    |
|    |    |    |                . Maaltijd (v. 28-30)            gastheer                |
|    |    |    |                            |                                          |
|    |    |    - Leerlingen: Nu gingen hun de ogen open en ze herkenden Hem (v. 31a)     |
|    |    |                                 |                                   HERKENNEN ZONDER ZIEN
|    |    |                                 |
|    |    - Jezus verdwijnt (v. 31b)        |
|    |                                      |
|    - Gesprek (v. 32)                   GELOVEN
|
- Jeruzalem (v. 33)
```